प्रा. राम मेघे इन्स्टिट्युट में शुरू होंगे दो नए कोर्स

विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रमों की सौगात | रैंकिंग में प्रथम स्थान प्राप्त एकमात्र कॉलेज

प्रतिनिधि, २३ सितंबर

अमरावती- विदर्भ युथ वेलफेयर सोसायटी द्वारा संचालित प्रा. राम मेघे इन्स्टिट्युट ऑफ टेक्नॉलॉजी एंड रिसर्च बडनेरा इस अभियांत्रिकी महाविद्यालय में आर्टिफिशियल इंटेलिजंस एंड डेटा सायंस तथा इंडस्ट्रीयल आयओटी यह दो पाठ्यक्रम नए सिरे से शुरू होने जा रहे है। यह जानकारी संस्था अध्यक्ष डॉ. नितीन धांडे ने शुक्रवार को आयोजित पत्रवार्ता में दी गई।

बताया गया कि यह दोनों पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए एआयसीटीई नई दिल्ली ने हरी झंडी दिखाई है। बदलते विश्व में नई नई तकनिक आत्मसात कर बेहतरीन नौकरी अथवा वैकल्पिक व्यवसाय शुरू करने का हर विद्यार्थी का मानस होता है। विद्यार्थियों का सपना पूरा हो साथ ही वह अपना लक्ष्य हासिल कर सके इसलिए योग्य मार्गदर्शन व शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध करवाने में प्रा. राम मेघे इन्स्टिट्युट ऑफ टेक्नॉलॉजी एंड रिसर्च बडनेरा सदैव तत्पर रहता है। यह महाविद्यालय शैक्षणिक गुणवत्ता के लिए जाना जाता है।

मध्य भारत का अग्रगण्य महाविद्यालय के रूप में पहचान है। पिछले ४० वर्षों से महाविद्यालय के सर्वाधिक विद्यार्थियों की नियुक्ती अनेक राष्ट्रीय व आंतरराष्ट्रीय कंपनियों में करने का काम महाविद्यालय कर रहा है। इस वर्ष भी महाविद्यालय ने ८०० से अधिक विद्यार्थियों को प्लेसमेंट देने का उल्लेखनिय कार्य किया है। मानव संसाधन मंत्रालय के नैशनल इन्स्टिट्युशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में महाविद्यालय ने संपूर्ण भारत से पहले २५० तकनिकी शिक्षा महाविद्यालय की सूचि में शामिल किया गया। जिसमें प्रा. राम मेघे इन्स्टिट्युट एकमात्र महाविद्यालय है। सांस्कृतिक व क्रिडा स्पर्धा में भी महाविद्यालय आगे रहता है। महाविद्यालय में ऐतिहासिक भारत का प्रथम सुपर कॉम्प्युटर परम व रोबोटिक्स क्षेत्र में एडवांस माने जानेवाली यास्कावा कंपनी के रोबोटिक्स प्रयोगशाला के मैकेनिकल विभाग में उपलब्ध है।

शैक्षणिक वर्ष २०२२-२३ में प्रथम वर्ष के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजंस एंड डेटा सायंस तथा इंडस्ट्रियल आयओटी पाठ्यक्रम में विद्यार्थी प्रवेश ले सकते है। नेस्कॉम तथा सीआयआय के आंकडों के अनुसार निकट भविष्य में इस क्षेत्र में ५० लाख से अधिक नौकरियां उपलब्ध होगी। विद्यार्थियों के भविष्य के लिए उपयुक्त रहनेवाले यह पाठ्यक्रम अमरावती संभाग के लिए संजीवनी साबित होगा। यह जानकारी संस्था अध्यक्ष डॉ. नितीन धांडे ने दी। महाविद्यालय द्वारा नियमित रूप से विविध कंपनियों में प्रेसमेंट की प्रक्रिया चलाई जाती है। यह उपक्रम ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट विभाग द्वारा आयोजित किया जाता है। महाविद्यालय में हमेशा होनेवाली कार्यशाला व व्याख्यान व विविध योजना की वजह से नियुक्ती में बडा आधार मिलता है। मेहनत व लगन से काम करने की तैयारी रही तो अपना लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने यह बात समय समय पर साबित कर दिखाई। विद्यार्थियों के सर्वांगिण विकास के लिए महाविद्यालय आगे भी प्रयासरत रहेगा यह आश्वासन डॉ. नितीन धांडे ने दिया। पत्रवार्ता में उपाध्यक्ष एड. उदय देशमुख, कोषाध्यक्ष प्रा. डॉ. हेमंत देशमुख, सचिव युवराज सिंह चौधरी, कार्यकारिणी सदस्य शंकरराव काले, नितीन हिवसे, प्रा. राधिनी देशमुख, डॉ. वैशाली लांडे, पूनम चौधरी सहित अन्य मौजुद थे।

विद्यार्थियों का होगा उद्धार

विशेषज्ञों का अनुमान है कि आनेवाले दशक में मशनरी बढने, संगणक प्रणाली पर मोबाईल जैसे उपकरण का इस्तेमाल व उपयुक्तता बढेगी। निकट भविष्य में असिम डेटा व्यवस्थित रूप से उपयोग करने के लिए कुशल व प्रतिभावान डेटा सायंटिस्ट की जरूरत बढ रही है। भविष्य में डेटा सायंटिस्ट व इंडस्ट्रियल आयओटी के अभियंता डिजिटल विश्व निर्माण करेंगे। जिससे जीवन और भी सुविधाजनक होगा। अगले ५ वर्ष में इन दोनों क्षेत्र में ५० लाख से अधिक नौकरियां उपलब्ध होगी। इन पाठ्यक्रमों का अधिक से अधिक फायदा विदर्भ के विद्यार्थी ले। किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए महाविद्यालय से संपर्क करने का आवाहन प्राचार्य डॉ. गजेंद्र बमनोटे ने किया।

प्रा राम मेघे इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड रिसर्च बडनेरा में

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड डेटा साइंस और इंडस्ट्रियल आय.ओ. टी.ये दो कोर्स शुरू किए जाएंगे

अमरावती-इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों के इच्छुक छात्रों के लिए नए पाठ्यक्रमों का मूल्यांकन

प्रतिष्ठित कंपनियों में इस वर्ष ८०० से अधिक छात्रों का चयन एन। मैं। आर। एफ। अमरावती विश्वविद्यालय में रैंकिंग में जगह पाने वाला इकलौता इंजीनियरिंग कॉलेज

स्थानीय विदर्भ यूथ वेलफेयर सोसायटी द्वारा संचालित प्रो. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड डेटा साइंस और इंडस्ट्रियल आई. ओ टी। इन दोनों कोर्स को शुरूकरने की मंजूरी ए. मैं। सी। टी। आदि। इंजीनियरिंग के इच्छुक छात्रों के लिए नई दिल्ली स्वर्ग बन गई है। प्रौद्योगिकी की लगातार बदलती दुनिया में, हर इच्छुक छात्र का इरादा एक अच्छी नौकरी हासिल करने या एक ऐसा

शेष पेज नं. २ पर..

TheHitavada
Vidarbha Line | 2022-09-25 | Page-3
ehitavada.com

PRMITR gets AICTE nod to start courses in industrial IOT, artificial intelligence

■ Amravati Bureau
AMRAVATI, Sept 24

"THE All India Council for Technical Education (AICTE), New Delhi, has given its nod to starting two new courses 'Artificial Intelligence and Data Science' and 'Industrial IOT' at Prof Ram Meghe Institute of Technology and Research, (PRMITR) Badnera, run by Vidarbha Youth Welfare Society, Amravati. This will prove to be a great boon for aspiring students," said Dr Nitin Dhande, President of Vidarbha Youth Welfare Society, Amravati, in a press conference, on Friday.

Speaking further, Dr Dhande said that in the ever-changing world of technology, every aspiring student wants to acquire a good job or start a business by learning new technologies. "Prof Ram Meghe Institute of Technology and Research, Badnera College is working for creating suitable atmosphere for students to cherish their dreams. The College is equipped with historic India's first supercomputer 'Param' and a robotic laboratory of 'Yaskawa' company, that is considered latest in the field of robotics," informed Dr Dhande.

Dr Nitin Dhande addressing the press conference while others look on.

"Students taking admission for first year in the session can take admission to the courses like 'Artificial Intelligence and Data Science' and 'Industrial IOT'. According to the figures from Nescom and CII, more than 50 lakh jobs will be available in these sectors in the near future. There is no doubt that these courses will prove to be a lifesaver for Amravati division," said Dr Dhande adding that workshops, lectures, various schemes conducted by the college provide valuable support for placement in various fields. Dr Dhande informed that experts predict increased use of machinery and ever expanding use of computer systems and mobile devices. In near future, need for skilled and talented data scientists will increase to properly utilise the infinite data.

"Looking at the future, data scientists and engineers will create a digital universe that will make life easier. In the next 5 years more than 5 million jobs will be available in both these sectors. Seeing the changing world, the college has made these two new courses available to the students of Vidarbha," informed Dr Dhande. He appealed students of Vidarbha to take utmost benefit of these courses.

Dr Gajendra Bamnote, Principal of the College, appealed to contact the college for any required information. Adv Uday Deshmukh, Vice-President, Prof Dr Hemant Deshmukh, Treasurer, Yuvraj Singh Chaudhary, Secretary, Executive Member Shankar Kale, Nitin Hiwse, Prof Ragini Deshmukh, Dr Vaishali Dhande, Dr Poonam Chaudhary, Principal Dr Gajendra Bamnote, Head of Department Shirish Deshmukh, Dr Prakash Pajgade, Dr Shashank Sonare, Dr Anup Shirbhate, Dr Prashant Ingole, Prof Ashish Deshmukh, Prof Rupali Sherekar, Director Autonomy Dr Dilip Ingole, Founder Dr Harshad Deshmukh, Prof Dr Nitin Ingole, Prof Dr Nikku Khalsa, Prof Anand Chaudhary, Prof Smita Thakur, Prof Srikanth Akarte were present.

Powered by iDocuments

प्रा. राम मेघे इन्स्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलॉजी अँड रिसर्च बडनेरा येथे

अभियांत्रिकी विद्यार्थ्यांसाठी दोन नवीन रोजगारभिमुख अभ्यासक्रम सुरु होणार

अमरावती दि. २३ | प्रतिनिधी

तंत्रज्ञानाच्या विश्वात विद्यार्थ्यांना नवनवीन तंत्रज्ञानाची माहिती व्हावी ते तंत्रज्ञान विद्यार्थ्यांनी आत्मसात करून तंत्रज्ञानाला पूरक व्यवसाय व नोकरी प्राप्त करत विद्यार्थ्यांचे स्वप्न पूर्ण होऊन उत्तुंग भरारी घ्यावी याकरीता सुयोग्य मार्गदर्शन व शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध करून देण्यात प्रा. राम मेघे इन्स्टिट्युट ऑफ टेक्नॉलॉजी अँड रिसर्च बडनेरा महाविद्यालय सदैव अग्रणी असते. पी. आर. एम. आय. टी. अँड आर. बडनेरा हे नेहमीच आपल्या उच्च शैक्षणिक दर्जेकरिता ओळखले जाते.

विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणीक विकास व सुविधेकरीता स्थानिक विदर्भ युथ वेलफेयर सोसायटी द्वारा संचालित प्रा. राम मेघे इन्स्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलॉजी अँड रिसर्च बडनेरा या अभियांत्रिकी महाविद्यालयात नव्याने ए.आय.सी.टी.इ.न्यू दिल्ली ने 'आर्टिफिशियल इंटेलिजन्स अँड डेटा सायन्स' व 'इंडस्ट्रियल आय.ओ.टी.' हे दोन अभ्यासक्रम सुरु करण्याची मान्यता दिल्याने अभियांत्रिकी शिक्षण घेणाऱ्या इच्छुक विद्यार्थ्यांकरिता ही जणू पर्वणीच ठरणार असल्याची माहिती आज आयोजित करण्यात आलेल्या पत्रकार परिषदेत विदर्भ युथ वेलफेयर सोसायटीचे अध्यक्ष नितीन धांडे , उपाध्यक्ष अँड उदय देशमुख, कोषाध्यक्ष प्रा.डॉ हेमंत देशमुख, सचिव युवराजसिंह चौधरी, सह संचालकांनी माहिती दिली.

आर्टिफिशियल इंटेलिजन्स अँड डेटा सायन्स' व 'इंडस्ट्रियल आय. ओ. टी.' या नविन दोन अभ्यासक्रमाच्या माध्यमातून अभियांत्रिकी विध्यार्थ्यांची होणार उन्नती

तज्ञांचा अंदाज आहे की पुढील दशकात मशीनरी च्या वाढीमुळे संगणक प्रणाली आणि मोबाईल उपकरणांचा वापर आणि उपयुक्तता वाढेल. निकट भविष्यात असीम डेटा व्यवस्थितपणे वापरण्याकरिता कुशल आणि प्रतिभावान डेटा सायंटिस्टची गरज दिवसागणिक वाढते आहे. भविष्याचे वेध घेता, डेटा सायंटिस्ट व 'इंडस्ट्रियल आय.ओ.टी. अभियंते हे डिजिटल विश्व निर्माण करून जीवन सुखमय होणार आहे. पुढील ५ वर्षात या दोन्ही क्षेत्रात ५० लाखाहून अधिक नौकऱ्या उपलब्ध होणार आहे. बदलते जग पाहूनच महाविद्यालयाने या दोन नवीन अभ्यासक्रमाची पर्वणी विदर्भातील विद्यार्थ्यांकरीता उपलब्ध करून दिली आहे. या अभ्यासक्रमांचा अधिकाधिक फायदा विदर्भातील विद्यार्थ्यांनी घ्यावा. संबंधित कुठलीही माहिती जाणून घ्यायची असल्यास महाविद्यालयाशी संपर्क साधावा असे आवाहन महाविद्यालयाचे प्राचार्य डॉ. गजेंद्र बमनोटे ह्यांनी केले आहे.

मध्य भारतातील अग्रगण्य अभियांत्रिकी महाविद्यालय म्हणून ओळख असणाऱ्या या महाविद्यालयातून गेल्या ४० वर्षापासून सर्वाधिक विद्यार्थ्यांची नियुक्ती अनेक राष्ट्रीय व आंतरराष्ट्रीय नामांकित कंपन्यांमध्ये झाली आहे. ह्यावर्षी सुद्धा महाविद्यालयाने ८०० पेक्षा अधिक विद्यार्थ्यांची नियुक्ती करून विद्यार्थ्यांना रोजगाराचे साधन उपलब्ध करुन दिले आहे. मानव संसाधन मंत्रालयाच्या नॅशनल इन्स्टिट्यूशनल रँकिंग फ्रेमवर्क मध्ये महाविद्यालयाने संपूर्ण भारतातून पहिल्या २५० तंत्रशिक्षण महाविद्यालयांच्या यादीत मानाचे स्थान प्राप्त केले आहे. असे स्थान सलग तीन वर्ष प्राप्त करणारे महाविद्यालय अमरावती विद्यापीठात ओळखल्या जाते. सांस्कृतिक व क्रीडा क्षेत्रातही महाविद्यालय प्रगती पथावर आहे. महाविद्यालयात ऐतिहासिक भारताचा प्रथम सुपर कॉम्प्युटर परम तसेच रोबोटिक्स क्षेत्रात अद्यावत मानल्या जाणाऱ्या 'यास्कावा' कंपनी चे रोबोटिक प्रयोगशाळा मेकॅनिकल विभागात सुसज्ज आहे.

या अभ्यासक्रमाकरीता शैक्षणिक वर्ष २०२२-२३ मध्ये प्रथम वर्ष अभियांत्रिकीला प्रवेश घेणाऱ्या विद्यार्थ्यांकरिता 'आर्टिफिशियल इंटेलिजन्स अँड डेटा सायन्स' व 'इंडस्ट्रियल आय. ओ. टी.' या अभ्यासक्रमाला प्रवेश घेता येणार आहे. नेस्कॉम तथा सी.आय.आय. च्या आकड्यांप्रमाणे निकट भविष्यात या क्षेत्रांमध्ये ५० लाखाहून अधिक नोकऱ्या उपलब्ध होणार आहेत. विद्यार्थ्यांच्या भविष्याकरिता अतिशय उपयुक्त असणारे हे अभ्यासक्रम अमरावती विभागासाठी संजीवनी ठरेल यात काही शंकाच नाही. संबंधित माहिती संस्थेचे अध्यक्ष डॉ. नितीन धांडे ह्यांनी दिली. महाविद्यालयातून बाहेर पडतांना आपल्या हातात सुरक्षित नोकरी असावी असे प्रत्येक होतकरू विद्यार्थ्यांचे स्वप्न असते आणि या स्वप्नाला पूर्णत्वास नेण्याकरिता महाविद्यालय सातत्याने प्रयत्नशील राहून विविध कंपन्यांच्या प्लेसमेंट प्रक्रिया राबवित असते तसेच विद्यार्थ्यांच्या सर्वांगीण विकासाकरिता विविध उपक्रम ट्रेनिंग अँड प्लेसमेंट विभागातर्फे आयोजित केले जातात. महाविद्यालयातर्फे सतत घेण्यात येणाऱ्या कार्यशाळा, व्याख्याने , विविध योजना यांमुळे विविध क्षेत्रात नियुक्ति होण्यास मोलाचा आधार मिळतो. जिद्द, चिकाटी आणि कठोर परिश्रम करण्याची तयारी असली तर काहीही साध्य करता येते हे महाविद्यालयातील विद्यार्थ्यांनी वेळोवेळी सिध्द केले, असे मत डॉ नितीन धांडे यांनी व्यक्त केले. तसेच विद्यार्थ्यांच्या सर्वांगीण विकासाकरिता महाविद्यालय पुढेही सतत प्रयत्नशील राहील असे आश्वासन त्यांनी दिले.

शैक्षणीक सत्रात ८०० हून अधिक विद्यार्थ्यांची नामांकित कंपन्यांमध्ये निवड

एन. आय. आर. एफ. रँकिंग मध्ये स्थान मिळविणारे अमरावती विद्यापीठातील एकमात्र अभियांत्रिकी महाविद्यालय

या प्रसंगी विदर्भ युथ वेलफेयर सोसायटीचे अध्यक्ष डॉ. नितीन धांडे, उपाध्यक्ष अँड. उदय देशमुख, कोषाध्यक्ष प्रा. डॉ. हेमंत देशमुख, सचिव युवराजसिंग चौधरी, कार्यकारिणी सदस्य शंकरराव काळे, नितीन हिवसे, प्रा. रागिणीताई देशमुख, डॉ. वैशालीताई धांडे, डॉ. पूनमताई चौधरी, प्राचार्य डॉ. गजेंद्र बमनोटे, विभाग प्रमुख डॉ. शिरीष देशमुख, डॉ. प्रकाश पजगाडे, डॉ. शशांक सोनारे, डॉ. अनूप शिरभाते, डॉ. प्रशांत इंगोले, प्रा. आशीष देशमुख, प्रा. रुपाली शेंरेकर, डायरेक्टर ऑटोनोमी डॉ. दिलीप इंगोले, अधिष्ठाता डॉ. हर्षद देशमुख, डॉ. नितिन इंगोले, डॉ. निक्कू खालसा, प्रा. आनंद चौधरी, प्रा. स्मित ठाकूर, प्रा. श्रीकांत अकर्ते उपस्थित होते.

प्रा.राम मेघे इंस्टीट्यूट ऑफटेक्नोलॉजी एंड रिसर्च बडनेरा में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड डेटा साइंस' और 'इंडस्ट्रियल आई. ओ टी.' नामक दो कोर्स शुरु होंगे

इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों के लिए नए पाठ्यक्रम सहायक

इस वर्ष प्रतिष्ठित कंपनियों में 800 से अधिक छात्रों का चयन

एन।मैं।आर।एफ रैंकिंग में शामिल होने वाला अमरावती विश्वविद्यालय का एकमात्र इंजीनियरिंग कॉलेज

अमरावती- स्थानीय विदर्भ यूथ वेलफेयर सोसायटी द्वारा संचालित प्रो. राम मेघे 'इंस्टीट्यूट ऑफटेक्र्टिएंड रिसर्च सेन्टर बडनेरा इंजीनियरिंग कॉलेज में ऑर्फफिशियल इंटेलिजेंस एंड डेटा साइंस' और 'इंडस्ट्रियल आई.' ओ. टी'. इन दोनों कोर्स को शुरू करने की मंजूरी दी गयी है ए. आय. सी. टी.नई दिल्ली ने दी है. इंजीनियरिंग के इच्छुक छात्रों के लिए स्वर्ग बन गया है। प्रौद्योगिकी की लगातार बदलती दुनिया में, हर इच्छुक छात्र का इरादा एक अच्छी नौकरी हासिल करने या एक ऐसा व्यवसाय शुरू करने का होता है जो नई तकनीकों को सीखकर प्रौद्योगिकी का पूरक हो। प्रो. प्रो. राम मेघे इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड रिसर्च बडनेरा कॉलेज हमेशा काम कर रहा है। पी. आर. एम. आय. टी. बडनेरा हमेशा अपने उच्च शैक्षणिक मानकों के लिए जाना जाता है। यह कॉलेज मध्य भारत में एक अग्रणी इंजीनियरिंग कॉलेज के रूप में उभरा है। पिछले 40 वर्षों से, कॉलेज लगातार कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रसिद्ध कंपनियों में मध्य भारत में सबसे अधिक छात्रों को नियुक्त कर रहा है। इस वर्ष भी कॉलेज ने 800 से अधिक छात्रों को नियुक्त कर बहुत अच्छा काम किया है। मानव संसाधन मंत्रालय के राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग ढांचे में कॉलेज को पूरे भारत के शीर्ष 250 तकनीकी शिक्षा कॉलेजों में स्थान दिया गया है। प्रो. राम मेघे इंजिनीरिंग कॉलेजअमरावती विश्वविद्यालय जिन्होंने लगातार तीन वर्षों तक ऐसा किया है राम मेघे इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड रिसर्च बडनेरा एकमात्र इंजीनियरिंग कॉलेज बन गया है। इसी तरह कॉलेज संस्कृति और खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है।

कॉलेज ऐतिहासिक भारत के पहले सुपर कंप्यूटर परम और 'यास्कावा' कंपनी की रोबोटिक प्रयोगशाला से लैस है जिसे यांत्रिक विभाग में रोबोटिक्स के क्षेत्र में नवीनतम माना जाता है। 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड डेटा साइंस' और 'इंडस्ट्रियल आई.' ओ टी।' इस कोर्स में प्रवेश संभव है। नेस्कॉम और सी.आई.आई. आंकड़ों के अनुसार निकट भविष्य में इन क्षेत्रों में 50 लाख से अधिक नौकरियां उपलब्ध होंगी। इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह पाठ्यक्रम अमरावती विभाग के लिए जीवन रक्षक होगा जो छात्रों के भविष्य के लिए बहुत उपयोगी होगा। संबंधित सूचना संस्थान के अध्यक्ष डॉ. नितिन ढांडे ने दिया। हर इच्छुक छात्र का सपना होता है कि कॉलेज छोड़ने के बाद उसके हाथ में एक सुरक्षित नौकरी हो और इस सपने को पूरा करने के लिए कॉलेज लगातार विभिन्न कंपनियों की प्लेसमेंट प्रक्रिया को लागू करने का प्रयास कर रहा है और इसके लिए प्रशिक्षण और प्लेसमेंट विभाग द्वारा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। छात्रों का समग्र विकास। कॉलेज द्वारा संचालित कार्यशालाएं, व्याख्यान, विभिन्न योजनाएं विभिन्न क्षेत्रों में प्लेसमेंट के लिए बहुमूल्य सहायता प्रदान करती हैं।

डॉ. नितिन धांडे ने विचार व्यक्त किया कि कॉलेज के छात्रों ने समय-समय पर यह साबित किया है कि अगर दृढ़ संकल्प, लगन और कड़ी मेहनत करने की इच्छा हो तो कुछ भी हासिल किया जा सकता है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि कॉलेज छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयासरत रहेगा।

विशेषज्ञों का अनुमान है कि अगले दशक में मशीनरी के विकास से कंप्यूटर सिस्टम और मोबाइल उपकरणों के उपयोग और उपयोगिता में वृद्धि होगी। निकट भविष्य में, अनंत डेटा का सही उपयोग करने के लिए कुशल और प्रतिभाशाली डेटा वैज्ञानिकों की आवश्यकता दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। भविष्य को देखते हुए, डेटा वैज्ञानिक और 'औद्योगिक इ. ओ टी। इंजीनियर एक डिजिटल ब्रह्मांड बनाएंगे जो जीवन को आसान बना देगा। अगले 5 वर्षों में इन दोनों क्षेत्रों में 50 लाख से अधिक नौकरियां उपलब्ध होंगी। बदलती दुनिया को देखते हुए कॉलेज ने ये दो नए कोर्स विदर्भ के छात्रों के लिए उपलब्ध कराए हैं। विदर्भ के छात्र इन पाठ्यक्रमों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। इस मौके पर विदर्भ यूथ वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. नितिन धांडे, उपाध्यक्ष, एड. उदय देशमुख, कोषाध्यक्ष प्रो. डॉ. हेमंत देशमुख, सचिव युवराज सिंह चौधरी, कार्यकारी सदस्य शंकरराव काले, नितिन हिवसे, प्रो. रागिनीताई देशमुख, डॉ. वैशालीताई धांडे, डॉ. पूनमताई चौधरी, प्राचार्य डॉ. डॉ. गजेंद्र बमनोटे, विभागाध्यक्ष ल शिरीष देशमुख, डॉ. प्रकाश पाजगड़े, डॉ. शशांक सोनारे, डॉ. अनूप शिरभटे, डॉ. प्रशांत इंगोले, प्रो. आशीष देशमुख, प्रो. रूपाली शेरेकर, निदेशक स्वायत्तता डॉ. दिलीप इंगोले, संस्थापक डॉ. हर्षद देशमुख, डॉ. नितिन इंगोले, डॉ. निक्कू खालसा, प्रो. आनंद चौधरी, प्रो. स्मित ठाकुर, प्रा. श्रीकांत अकरते उपस्थित थे

प्रा. राम मेघे इन्स्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलॉजी अँड रिसर्च बडनेरा येथे 'आर्टिफिशियल इंटेलिजन्स अँड डेटा सायन्स' व 'इंडस्ट्रियल आय. ओ. टी.' हे दोन अभ्यासक्रम सुरु होणार

अभियांत्रिकी अभ्यासक्रमा करीता इच्छुक विद्यार्थ्यांसाठी नवीन अभ्यासक्रमांची पर्वणी

दि. २३ प्रजासत्ताक अमरावती

स्थानिक विदर्भ युथ वेलफेयर सोसायटी द्वारा संचालित प्रा. राम मेघे इन्स्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलॉजी अँड रिसर्च बडनेरा या अभियांत्रिकी महाविद्यालयात 'आर्टिफिशियल इंटेलिजन्स अँड डेटा सायन्स' व 'इंडस्ट्रियल आय. ओ. टी.' हे दोन अभ्यासक्रम सुरु करण्याची मान्यता ए. आय. सी. टी. इ. न्यू दिल्ली ने दिल्याने अभियांत्रिकी शिक्षण घेणाऱ्या इच्छुक विद्यार्थ्यांकरिता ही जणू पर्वणीच ठरली आहे. बदलत्या तंत्रज्ञानाच्या विश्वात नवनवीन तंत्रज्ञान आत्मसात करून चांगली नौकरी किंवा तंत्रज्ञानाला पूरक व्यवसाय सुरू करण्याचा प्रत्येक होतकरू विद्यार्थाचा मानस असतो. प्रत्येक विद्यार्थ्याचे स्वप्न पूर्ण व्हावे आणि त्यांनी ध्येयप्राप्तीचे उत्तुंग शिखर गाठावे यास्तव सुयोग्य मार्गदर्शन व शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध करून देण्यात प्रा. राम मेघे इन्स्टिट्युट ऑफ टेक्नॉलॉजी अँड रिसर्च बडनेरा महाविद्यालय सदैव कार्यरत असते. पी. आर. एम. आय. टी. अँड आर. बडनेरा हे नेहमीच आपल्या उच्च शैक्षणिक दर्जेकरिता ओळखले जाते. मध्य भारतातील अग्रगण्य अभियांत्रिकी महाविद्यालय म्हणून महाविद्यालय उदयास आले आहे. मागील ४० वर्षांपासून सातत्याने मध्य भारतात सर्वाधिक विद्यार्थ्यांची नियुक्ती अनेक राष्ट्रीय व आंतरराष्ट्रीय नामांकित कंपन्यांमध्ये करण्याचे काम महाविद्यालय करीत आहे. ह्यावर्षी सुद्धा महाविद्यालयाने ८०० पेक्षा अधिक विद्यार्थ्यांची नियुक्ती करून दिमाखदार कामगिरी करून दाखविली आहे. मानव संसाधन मंत्रालयाच्या नॅशनल इन्स्टिट्यूशनल रँकिंग फ्रेमवर्क मध्ये महाविद्यालयाने संपूर्ण भारतातून पहिल्या २५० तंत्रशिक्षण महाविद्यालयांच्या यादीत स्थान पटकाविले आहे. अशी कामगिरी सलग तीन वर्ष करणारे संपूर्ण अमरावती विद्यापीठातील प्रा. राम मेघे इन्स्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलॉजी अँड रिसर्च बडनेरा हे एकमेव अभियांत्रिकी महाविद्यालय ठरले आहे. त्याचप्रमाणे सांस्कृतिक व क्रीडा क्षेत्रातही महाविद्यालय प्रगती पथावर आहे. महाविद्यालयात ऐतिहासिक भारताचा प्रथम सुपर कॉम्प्युटर परम तसेच रोबोटिक्स क्षेत्रात अद्यावत मानल्या जाणाऱ्या 'यास्कावा' कंपनी चे रोबोटिक प्रयोगशाळा मेकॅनिकल विभागात सुसज्ज आहे.

शैक्षणिक वर्ष २०२२-२३ मध्ये प्रथम वर्ष अभियांत्रिकीला प्रवेश घेणाऱ्या विद्यार्थ्यांकरिता 'आर्टिफिशियल इंटेलिजन्स अँड डेटा सायन्स' व 'इंडस्ट्रियल आय. ओ. टी.' या अभ्यासक्रमाला प्रवेश घेता येणार आहे. नेस्कॉम तथा सी.आय.आय. च्या आकड्यांप्रमाणे निकट भविष्यात या क्षेत्रांमध्ये ५० लाखाहून अधिक नोकऱ्या उपलब्ध होणार आहेत. विद्यार्थ्यांच्या भविष्याकरिता अतिशय उपयुक्त असणारे हे अभ्यासक्रम अमरावती विभागासाठी संजीवनी ठरेल यात काही शंकाच नाही. संबंधित माहिती संस्थेचे अध्यक्ष डॉ. नितीन धांडे ह्यांनी दिली. महाविद्यालयातून बाहेर पडतांना आपल्या हातात सुरक्षित नोकरी असावी असे प्रत्येक होतकरू विद्यार्थ्याचे स्वप्न असते आणि या स्वप्नाला पूर्णत्वास नेण्याकरिता महाविद्यालय सातत्याने प्रयत्नशील राहून विविध कंपन्यांच्या प्लेसमेंट प्रक्रिया राबवित असते तसेच विद्यार्थ्यांच्या सर्वांगीण विकासाकरिता विविध उपक्रम ट्रेनिंग अँड प्लेसमेंट विभागातर्फे आयोजित केले जातात. महाविद्यालयातर्फे सतत घेण्यात येणाऱ्या कार्यशाळा, व्याख्याने , विविध योजना यांमुळे विविध क्षेत्रात नियुक्ती होण्यास मोलाचा आधार मिळतो. जिद्द, चिकाटी आणि कठोर परिश्रम करण्याची तयारी असली तर काहीही साध्य करता येते हे महाविद्यालयातील विद्यार्थ्यांनी वेळोवेळी सिध्द केले, असे मत डॉ नितीन धांडे यांनी व्यक्त केले. तसेच विद्यार्थ्यांच्या सर्वांगीण विकासाकरिता महाविद्यालय पुढेही सतत प्रयत्नशील राहील असे आश्वासन त्यांनी दिले.या प्रसंगी विदर्भ युथ वेलफेयर सोसायटीचे अध्यक्ष डॉ. नितीन धांडे, उपाध्यक्ष ड. उदय देशमुख, कोषाध्यक्ष प्रा. डॉ. हेमंत देशमुख, सचिव युवराजसिंग चौधरी, कार्यकारिणी सदस्य शंकरराव काळे, नितीन हिवसे, प्रा. रागिणीताई देशमुख, डॉ. वैशालीताई धांडे, डॉ. पूनमताई चौधरी, प्राचार्य डॉ. गजेंद्र बमनोटे, विभाग प्रमुख डॉ. शिरीष देशमुख, डॉ. प्रकाश पजगाडे, डॉ. शशांक सोनारे, डॉ. अनूप शिरभाते, डॉ. प्रशांत इंगोले, प्रा. आशीष देशमुख, प्रा. रुपाली शेरेकर, डायरेक्टर ऑटोनोमी डॉ. दिलीप इंगोले, अधिष्ठाता डॉ. हर्षद देशमुख, डॉ. नितिन इंगोले, डॉ. निक्कू खालसा, प्रा. आनंद चौधरी, प्रा. स्मित ठाकूर, प्रा. श्रीकांत अकर्ते उपस्थित होते.

'आर्टिफिशियल इंटेलिजन्स अँड डेटा सायन्स' व 'इंडस्ट्रियल आय. ओ. टी.' करणार अभियांत्रिकी विध्यार्थ्यांचा उद्धार

तज्ञांचा अंदाज आहे की पुढील दशकात मशीनरी च्या वाढीमुळे संगणक प्रणाली आणि मोबाईल उपकरणांचा वापर आणि उपयुक्तता वाढेल. निकट भविष्यात असीम डेटा व्यवस्थितपणे वापरण्याकरिता कुशल आणि प्रतिभावान डेटा सायंटिस्टची गरज दिवसागणिक वाढते आहे. भविष्याचे वेध घेता, डेटा सायंटिस्ट व 'इंडस्ट्रियल आय. ओ. टी. अभियंते हे डिजिटल विश्व निर्माण करून जीवन सुखमय होणार आहे. पुढील ५ वर्षात या दोन्ही क्षेत्रात ५० लाखाहून अधिक नौकऱ्या उपलब्ध होणार आहे. बदलते जग पाहूनच महाविद्यालयाने या दोन नवीन अभ्यासक्रमाची पर्वणी विदर्भातील विद्यार्थ्यांकरीता उपलब्ध करून दिली आहे. या अभ्यासक्रमांचा अधिकाधिक फायदा विदर्भातील विद्यार्थ्यांनी घ्यावा. संबंधित कुठलीही माहिती जाणून घ्यायची असल्यास महाविद्यालयाशी संपर्क साधावा असे आवाहन महाविद्यालयाचे प्राचार्य डॉ. गजेंद्र बमनोटे ह्यांनी केले आहे.

वाहून गेलेल्या शेतकरी युवकासाठी

धरण प्रशासनाविरुद्ध मनुष्यवधाचे गुन्हे दाखल कर

दि २३ प्रजासत्ताक अमरावती

दर्यापुर तालुक्यातील येवदा येथील शहानुरनदीत ३५ वर्षीय शेतकरी युवक वाहून गेल्याची धक्कादायक घटना २० सप्टेंबर रोजी उघडकीस आली. या प्रकरणी आक्रमक होत सामाजिक कार्यकर्ते नकुल सोनटक्के यांनी धरण प्रशासनाच्या बेजबाबदारपणामुळे ही घटना घडल्याचा गंभीर आरोप करत संबंधितांविरुद्ध मनुष्यवधाचे गुन्हे दाखल करण्याची मागणी शुक्रवारी जिल्हाधिकारी पवनीत कौर यांच्याकडे केली व संबंधित कुटुंबीयांना मदत द्यावी अशी विनंती त्यांनी केली आहे.दर्यापूर तालुक्यातील येवदा येथे ३७ वर्षीय शेतकरी समीउल्ला खान जहागीर खान हे शेतात गेले असता नदीतील पाण्याचा प्रवाह वाढल्यामुळे ते शहानुर नदीत वाहून गेले. धरण प्रशासनाने या संदर्भात ग्रामस्थांना कुठलीही पूर्वकल्पना न देता पाणी